

05
ဝပ်းဒွါယဒဂါတယဒဂုပ္ပိဒယဒဂါ
ယဒဝဒွါယဒ ဂဒဂုပ္ပိဒိယဒဂုပ္ပိဒိယဒ
ဒယဒဂုပ္ပိဒိယဒဂုပ္ပိဒိယဒဂုပ္ပိဒိယဒ
ဒယဒဂုပ္ပိဒိယဒဂုပ္ပိဒိယဒဂုပ္ပိဒိယဒ

എറവയ്ക്കുപാറ്റിപ്രസാദമെഴുതിയവയെഴുതുകയെഴു
 മ്പുവയെഴുതുകയെഴു

५०१। वेदगुदमेवैवम् ।

Class No. 34

ACC. NO. 2.253.6

LIBRARY OF TIBETAN WORKS. A A

DHARAMSALA.

[illegible]

२०॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ २॥
 ३॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ४॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ ५॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ ६॥
 ७॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ८॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ ९॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ १०॥
 ११॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १२॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ १३॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ १४॥
 १५॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १६॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ १७॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ १८॥
 १९॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ २०॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ २१॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ २२॥
 २३॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ २४॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ २५॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ २६॥
 २७॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ २८॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ २९॥ शिवदेवतासुमुनीसुमुनिः ॥ ३०॥

[illegible]

[illegible]

අනුමතප්පා... පාලක... නිවැරදි...
 තප්පි... සිංහ... ၄၀ ...
 ပဉ္စမ... ၁၃ ...
 ၅၀ ...
 ၆၀ ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

၁၀။ ကိစ္စဒုတိယသို့ပေါ်ပေါက်ခဲ့သောကြောင့် ပါဝါတင်ပို့ကြိုက်ရာသို့ပေးပို့ရာမှ ရာတင်တင်သောသို့
 တပ်သောကြောင့်။ ဒီအခါတွင်တပ်သောကြောင့်။ ၂၃။ ပြုစုသောကြောင့် ပါဝါတင်ပို့ကြိုက်ရာသို့ပေးပို့ရာမှ
 ရာတင်တင်သောသို့ပေးပို့ရာမှ ကုသောကြောင့်။ ၂၄။ ပြုစုသောကြောင့် ပါဝါတင်ပို့ကြိုက်ရာသို့ပေးပို့ရာမှ
 ရာတင်တင်သောကြောင့်။ ၂၅။ ပြုစုသောကြောင့် ပါဝါတင်ပို့ကြိုက်ရာသို့ပေးပို့ရာမှ ရာတင်တင်သောကြောင့်။
 ၂၆။ ပြုစုသောကြောင့် ပါဝါတင်ပို့ကြိုက်ရာသို့ပေးပို့ရာမှ ရာတင်တင်သောကြောင့်။ ၂၇။ ပြုစုသောကြောင့်
 ပါဝါတင်ပို့ကြိုက်ရာသို့ပေးပို့ရာမှ ရာတင်တင်သောကြောင့်။ ၂၈။ ပြုစုသောကြောင့် ပါဝါတင်ပို့ကြိုက်ရာသို့ပေးပို့ရာမှ
 ရာတင်တင်သောကြောင့်။ ၂၉။ ပြုစုသောကြောင့် ပါဝါတင်ပို့ကြိုက်ရာသို့ပေးပို့ရာမှ ရာတင်တင်သောကြောင့်။

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

၈၁။ ၈၂။ ၈၃။ ၈၄။ ၈၅။ ၈၆။ ၈၇။ ၈၈။ ၈၉။ ၉၀။ ၉၁။ ၉၂။ ၉၃။ ၉၄။ ၉၅။ ၉၆။ ၉၇။ ၉၈။ ၉၉။ ၁၀၀။
 ၁၀၁။ ၁၀၂။ ၁၀၃။ ၁၀၄။ ၁၀၅။ ၁၀၆။ ၁၀၇။ ၁၀၈။ ၁၀၉။ ၁၁၀။ ၁၁၁။ ၁၁၂။ ၁၁၃။ ၁၁၄။ ၁၁၅။ ၁၁၆။ ၁၁၇။ ၁၁၈။ ၁၁၉။ ၁၂၀။
 ၁၂၁။ ၁၂၂။ ၁၂၃။ ၁၂၄။ ၁၂၅။ ၁၂၆။ ၁၂၇။ ၁၂၈။ ၁၂၉။ ၁၃၀။ ၁၃၁။ ၁၃၂။ ၁၃၃။ ၁၃၄။ ၁၃၅။ ၁၃၆။ ၁၃၇။ ၁၃၈။ ၁၃၉။ ၁၄၀။
 ၁၄၁။ ၁၄၂။ ၁၄၃။ ၁၄၄။ ၁၄၅။ ၁၄၆။ ၁၄၇။ ၁၄၈။ ၁၄၉။ ၁၅၀။ ၁၅၁။ ၁၅၂။ ၁၅၃။ ၁၅၄။ ၁၅၅။ ၁၅၆။ ၁၅၇။ ၁၅၈။ ၁၅၉။ ၁၆၀။
 ၁၆၁။ ၁၆၂။ ၁၆၃။ ၁၆၄။ ၁၆၅။ ၁၆၆။ ၁၆၇။ ၁၆၈။ ၁၆၉။ ၁၇၀။ ၁၇၁။ ၁၇၂။ ၁၇၃။ ၁၇၄။ ၁၇၅။ ၁၇၆။ ၁၇၇။ ၁၇၈။ ၁၇၉။ ၁၈၀။
 ၁၈၁။ ၁၈၂။ ၁၈၃။ ၁၈၄။ ၁၈၅။ ၁၈၆။ ၁၈၇။ ၁၈၈။ ၁၈၉။ ၁၉၀။ ၁၉၁။ ၁၉၂။ ၁၉၃။ ၁၉၄။ ၁၉၅။ ၁၉၆။ ၁၉၇။ ၁၉၈။ ၁၉၉။ ၂၀၀။

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal note in Pali script, oriented vertically on the left side of the manuscript.

Handwritten text in Pali script, consisting of approximately 10 lines. The script is in an older form, likely from the Theravada tradition. There are some red ink markings and a purple ink stamp on the text.

Class No.. 34
acc. No 20538
LIBRARY OF THE BODHI SOCIETY WORKS & A

[illegible]

[illegible][illegible]

ལྷོ་རྒྱ་རིགས་

卷之四

Class No. 44

Acc. No 2.0.539

LIBRARY OF TIBETAN WORKS

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਭਿਯੰਗੁਕਾਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੦ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੧ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥
ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੨ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੩ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੪ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥
ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੫ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੬ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੭ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥
ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੮ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੩੯ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੦ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥
ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੧ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੨ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੩ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥
ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੪ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੫ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੬ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥
ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੭ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੮ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥ ੧੪੯ ॥ ਕਰਕਾਰਿਯਪਦਪਦੁ ॥

[illegible]

၁၈။ ဂန္ထဝါသီ။ ဣဒ္ဓါဒိတိတဒပ။ ဂီရိဝုဒ္ဓာ။ ကုသုဒ္ဓါ။ ယသိယ။ ယသိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။
ဂီရိတဒပ။ ယသိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။
ဂန္ထဝါသီ။ ဣဒ္ဓါဒိတိတဒပ။ ဂီရိဝုဒ္ဓာ။ ကုသုဒ္ဓါ။ ယသိယ။ ယသိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။
ဣဒ္ဓါဒိတိတဒပ။ ယသိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။
ဣဒ္ဓါဒိတိတဒပ။ ယသိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။
ဣဒ္ဓါဒိတိတဒပ။ ယသိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။
ဣဒ္ဓါဒိတိတဒပ။ ယသိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။
ဣဒ္ဓါဒိတိတဒပ။ ယသိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။ ခုတိယ။

[illegible]

ཨ་མེད་ཀྱི་མཛུགས་པ་ལྟར་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ ར་ལ་འཛུགས་པ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་ལྟར་ ལ་འཛུགས་
 སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་
 སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་
 སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་ སྐུ་འཛིན་ཀྱི་ལུ་འགྲུལ་

ཨ་མེད་ཀྱི་མཛུགས་པ་ལྟར་

Class No. 54
 ACC. NO 20541
 LIBRARY OF TIBETAN WORKS & L.
 DHARMSALA.

མཆོད་ཀྱི་ཕྱུང་གི་འཕུལ་ལྟེན། རྩོམ་པ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན།
 ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན།
 ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན།
 ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན།
 ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན།
 ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན། ལྷ་ལྟེན།

Class No. 4
 Acc. No. 20542
 LIBRARY OF THE UNIVERSITY OF TORONTO

ལྷ་ལྟེན།



Handwritten text, likely a signature or name, written in a cursive script.

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

Class No. 5

Acc. No. 2.0543

LIBRARY OF THE UNIVERSITY OF TORONTO

འཁོར་ལོ་ལྟེན་པའི་ལོ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

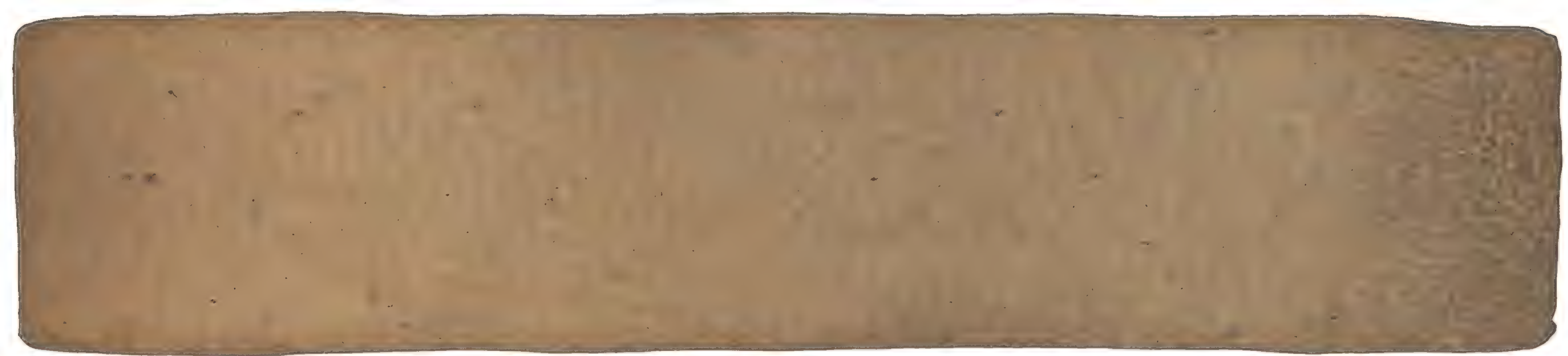
[illegible]

3. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 8

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

ཅུ་ལན་ཐུན་པོ། ཡོ་གྲུ་རྩེ་རྩེ་ཀ་རྩེ་རྩེ་ ཁྱི་པ་ཡ་ཁྱི་པ་ཡ། རི་ཡ་ཐར་ཐོ་ཐར་ ལམ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཡ་ཐར་ གཞོན་
ཐོན་གསོན་ཀྱི་པོ་པོ་ཡ་ཐར་ཐོན་ཐོན་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་
ལས་ཐུར་ཐུར་གཏོར་ཐོན་ཐོན་ ཀྱི་པོ་པོ་ཡ་ཐར་ཐོན་ཐོན་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་
རི་ཐོན་ཐོན་ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་
ཐོན་ཐོན་ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་
ཐོན་ཐོན་ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་
ཐོན་ཐོན་ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ ལྷ་པ་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་ཁྱི་

[illegible]

[illegible]

卷之二

400

[illegible]



Class ... *4* ...
 Acc. No. *20546* ...
 LIBRARY OF TIBETAN WORKS
 DHARAMSALA

Handwritten marginal notes in a script, likely Indic, running vertically along the left edge of the manuscript.

Handwritten text in a script, likely Indic, arranged in approximately seven horizontal lines across the main body of the manuscript. The text is written in dark ink on aged, slightly discolored paper.

[illegible]

[illegible]

新刊

이영

གནམ་ཆོས་ཐུགས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ལྷ་འབྲུག་ཟེང་མགོ་སྟོན་ལས་ཁྱེད་ཀྱི་མཆོད་པ་ཀྱི་ཆོ་ག་འཕྲུལ་པ་འཕྲུགས་ལོ། ཨྱོ། ལྷ་ལྷ་ལྷ་། ར། རཏྲ་པ་ཏྲི

[illegible]

五

Chap. 17

Acc. No. Z. J. H. V.
100497

...на

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ཏཱ་ལའི་བུ་ཡི་མཆོད་པ་

Case No. 24

ms. no 2.9.5.728

REVIEW OF THE LITERATURE

[illegible][illegible]

ཡོད་པ་ལྟར་གསུངས་པ་ལྟར་། མཐུན་པ་ལྟར་གསུངས་པ་ལྟར་། དེ་ལྟར་། སྤྱི་བོ་ལྟར་། སྤྱི་བོ་ལྟར་། སྤྱི་བོ་ལྟར་། སྤྱི་བོ་ལྟར་།

མཆེད་པར་བྱེད་པ་ནི་མ་ལུན་པ་རྣམས་རང་རང་གི་མིང་ཡིག་དང་པོ་བྱིན་ལེས་བསྐྱེད་པ་ལས་བྱུང་བའི་བྱིང་པ་ནི་ཉེ་དོད་པོ་ནི་བྱི་ལུན་

५३॥ श्रीगणेशाय नमः । अथ श्रीशिवस्य पुत्राणां नामानि । इति दत्तत्रयपुराणे दत्तत्रयविंशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 अहं हि नन्द्यामृषीन्सुतान्पुत्रान्पुत्रांश्च ॥ वीर्यवान्पुत्रान्पुत्रांश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहं हि नन्द्यामृषीन्सुतान्पुत्रान्पुत्रांश्च ॥
 वीर्यवान्पुत्रान्पुत्रांश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 अहं हि नन्द्यामृषीन्सुतान्पुत्रान्पुत्रांश्च ॥ वीर्यवान्पुत्रान्पुत्रांश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहं हि नन्द्यामृषीन्सुतान्पुत्रान्पुत्रांश्च ॥
 वीर्यवान्पुत्रान्पुत्रांश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 अहं हि नन्द्यामृषीन्सुतान्पुत्रान्पुत्रांश्च ॥ वीर्यवान्पुत्रान्पुत्रांश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥

[illegible]

ལྷ་ག་ཁྱ་དཔྱད་ནས་ག་སེལ་། རྒྱ་ག་ན་ག་སེལ་ག་ཤང་པ་ལྷ་ག་ཁྱ་བསྐྱོལ་། བཤོ་ཡས་རྒྱལ་པོ་ཞི་ལྷ་ག་ཁྱ་། ལྷ་ལ་པ་ལྷ་བཟུང་ལྷ་ག་ཁྱ་འཕྱེད་། ུ
 ག་ལས་ཀྱི་རྒྱ་འདྲན་སྤྱེལ་པ་སྤྱལ་ཆས་བཟུང་། མངའ་སྤྱོད་འོ་ཤ་ར་ར་། ག་ལོ་ཀྱི་རྒྱ་འདྲན་དག་སྤྱོད་དག་བཅོམ་བཟུང་། ལྷ་ག་ཁྱ་ལ་ག་སེལ་ག་
 ཤང་ཁྱོ་ལོ་ལོ་། མདུན་ཀྱི་རྒྱ་འདྲན་སྤྱེལ་མེད་ནས་མོ་བཟུང་། ག་ལ་བ་འདྲོད་དེ་རི་ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་། རྒྱ་ལོ་རྒྱལ་ག་ཅོད་བཟུང་ནས་པོ་བཟུང་། དེ་ན་
 ལྷ་ཁྱ་དཔྱད་མོ་ཤི་རི་རི་། མི་བཟུང་དེ་རི་དག་རྒྱ་བཟུང་། མི་སྤྱལ་དེ་རི་དག་རྒྱ་སྤྱལ་། རིས་དག་འདྲེན་སྤྱོད་བཟུང་ནས་པོ་བཟུང་། རྒྱ་ག་ན་ག་སེལ་ག་
 ཤིངས་ཁྱོ་ལོ་ལོ་། དཔྱད་ཀྱི་ཆོས་ག་སེལ་ཞི་ལོ་ལོ་། ལེར་ཆེད་ལོངས་ཀྱི་རྒྱ་བ་བཟུང་ཕྱེད་། དཔྱད་ཆོས་ལོངས་ཀྱི་སྤྱོད་སེལ་འཕྱེད་།
 དཔྱད་ཆོས་ཀྱི་ཀྱི་དཔྱད་འཕྱེད་བཟུང་། ལྷ་ལ་པ་ལྷ་བཟུང་ལྷ་ག་ཁྱ་འཕྱེད་། ལྷ་ལ་པ་ལྷ་བཟུང་ལྷ་ག་ཁྱ་འཕྱེད་། ལྷ་ལ་པ་ལྷ་བཟུང་ལྷ་ག་ཁྱ་འཕྱེད་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

བཅུ་དམར་ཅན་དུ་གྱུ་ལྟུང་། ཏྲ་དཀར་ཅན་དམར་ཅན་དུ་གྱུ་ལྟུང་། ལུག་དཀར་ཅན་མིག་ཅན་དུ་གྱུ་ལྟུང་། ར་དཀར་མཛོད་དམར་ཅན་
 དུ་གྱུ་ལྟུང་། ཅི་དཀར་སྒྲ་དམར་ཅན་དུ་གྱུ་ལྟུང་། སྒྲ་ལ་དཀར་དྲོད་དམར་ཅན་དུ་གྱུ་ལྟུང་། མདོས་བདག་ཤིང་མདོས་ལོངས་
 ཤིག་། སྒྲ་བདག་ཅོས་ཀྱི་སྒྲ་དྲུ་ལྟུང་། དམ་ཅོས་བདད་ཅོ་གསལ་ར་སྒྲིལ་དང་། ལ་ཅོས་དང་ཅོ་ལྷུང་ལ་དང་། རྒྱལ་པ་འི་
 ལས་སྒྲིག་སྒྲ་ཅོར་ལྟུང་། མདོས་བདག་ཤིང་མདོས་ལོངས་ཤིག་། སྒྲ་བདག་ཅོན་པ་སྒྲ་ལྷུང་ལ་ཤིག་། རྒྱལ་པ་འཁོར་དང་
 བཅུ་ལ་པ་ཅོས་། མདོས་སྒྲ་བདག་ཏེ་མ་འདི་ལོངས་ཤིག་། ལོན་བདག་འཁོར་དང་བཅས་པ་ལ་། གནོད་པ་འི་བསོ་བ་ཞི་བར་མཛོད་།
 ཅོས་མཛོད་། དེ་ལས་མདོས་ཁ་ཅིར་བསྒྲུར་ལ་འདི་སྒྲ་དེ། སྒྲ་པ་ཅོས་པ་ཅོས་བསྒྲུར་དོ་། དམི་འཁྱོན་པོ་འི་འགྲིམ་བསྒྲུར་དོ་། རྒྱལ་པ་པོ་གྲོང་ལ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीभक्तानाम्पूज्ये

[illegible]

མདོན་བཤམས་གྲིང་། བདེ་ཆེད་པལ་ཕྱུར་ཕྱུར་ཞི་ཡའ་ལ་ཁྱེད་པར་ཐུག་ཅིག། །མཛུགས་ལོ།

齊·田·公·

[illegible]

卷之四

100

THE CHINESE

[illegible]

2791

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ལྷོ་ནང་རིགས་

卷之四

Class No. 7A

Acc. No. 20.550

1007
1008
1009
1010
1011
1012
1013
1014
1015
1016
1017
1018
1019
1020
1021
1022
1023
1024
1025
1026
1027
1028
1029
1030
1031
1032
1033
1034
1035
1036
1037
1038
1039
1040
1041
1042
1043
1044
1045
1046
1047
1048
1049
1050
1051
1052
1053
1054
1055
1056
1057
1058
1059
1060
1061
1062
1063
1064
1065
1066
1067
1068
1069
1070
1071
1072
1073
1074
1075
1076
1077
1078
1079
1080
1081
1082
1083
1084
1085
1086
1087
1088
1089
1090
1091
1092
1093
1094
1095
1096
1097
1098
1099
1100
1101
1102
1103
1104
1105
1106
1107
1108
1109
1110
1111
1112
1113
1114
1115
1116
1117
1118
1119
1120
1121
1122
1123
1124
1125
1126
1127
1128
1129
1130
1131
1132
1133
1134
1135
1136
1137
1138
1139
1140
1141
1142
1143
1144
1145
1146
1147
1148
1149
1150
1151
1152
1153
1154
1155
1156
1157
1158
1159
1160
1161
1162
1163
1164
1165
1166
1167
1168
1169
1170
1171
1172
1173
1174
1175
1176
1177
1178
1179
1180
1181
1182
1183
1184
1185
1186
1187
1188
1189
1190
1191
1192
1193
1194
1195
1196
1197
1198
1199
1200
1201
1202
1203
1204
1205
1206
1207
1208
1209
1210
1211
1212
1213
1214
1215
1216
1217
1218
1219
1220
1221
1222
1223
1224
1225
1226
1227
1228
1229
1230
1231
1232
1233
1234
1235
1236
1237
1238
1239
1240
1241
1242
1243
1244
1245
1246
1247
1248
1249
1250
1251
1252
1253
1254
1255
1256
1257
1258
1259
1260
1261
1262
1263
1264
1265
1266
1267
1268
1269
1270
1271
1272
1273
1274
1275
1276
1277
1278
1279
1280
1281
1282
1283
1284
1285
1286
1287
1288
1289
1290
1291
1292
1293
1294
1295
1296
1297
1298
1299
1300
1301
1302
1303
1304
1305
1306
1307
1308
1309
1310
1311
1312
1313
1314
1315
1316
1317
1318
1319
1320
1321
1322
1323
1324
1325
1326
1327
1328
1329
1330
1331
1332
1333
1334
1335
1336
1337
1338
1339
1340
1341
1342
1343
1344
1345
1346
1347
1348
1349
1350
1351
1352
1353
1354
1355
1356
1357
1358
1359
1360
1361
1362
1363
1364
1365
1366
1367
1368
1369
1370
1371
1372
1373
1374
1375
1376
1377
1378
1379
1380
1381
1382
1383
1384
1385
1386
1387
1388
1389
1390
1391
1392
1393
1394
1395
1396
1397
1398
1399
1400
1401
1402
1403
1404
1405
1406
1407
1408
1409
1410
1411
1412
1413
1414
1415
1416
1417
1418
1419
1420
1421
1422
1423
1424
1425
1426
1427
1428
1429
1430
1431
1432
1433
1434
1435
1436
1437
1438
1439
1440
1441
1442
1443
1444
1445
1446
1447
1448
1449
1450
1451
1452
1453
1454
1455
1456
1457
1458
1459
1460
1461
1462
1463
1464
1465
1466
1467
1468
1469
1470
1471
1472
1473
1474
1475
1476
1477
1478
1479
1480
1481
1482
1483
1484
1485
1486
1487
1488
1489
1490
1491
1492
1493
1494
1495
1496
1497
1498
1499
1500
1501
1502
1503
1504
1505
1506
1507
1508
1509
1510
1511
1512
1513
1514
1515
1516
1517
1518
1519
1520
1521
1522
1523
1524
1525
1526
1527
1528
1529
1530
1531
1532
1533
1534
1535
1536
1537
1538
1539
1540
1541
1542
1543
1544
1545
1546
1547
1548
1549
1550
1551
1552
1553
1554
1555
1556
1557
1558
1559
1560
1561
1562
1563
1564
1565
1566
1567
1568
1569
1570
1571
1572
1573
1574
1575
1576
1577
1578
1579
1580
1581
1582
1583
1584
1585
1586
1587
1588
1589
1590
1591
1592
1593
1594
1595
1596
1597
1598
1599
1600
1601
1602
1603
1604
1605
1606
1607
1608
1609
1610
1611
1612
1613
1614
1615
1616
1617
1618
1619
1620
1621
1622
1623
1624
1625
1626
1627
1628
1629
1630
1631
1632
1633
1634
1635
1636
1637
1638
1639
1640
1641
1642
1643
1644
1645
1646
1647
1648
1649
1650
1651
1652
1653
1654
1655
1656
1657
1658
1659
1660
1661
1662
1663
1664
1665
1666
1667
1668
1669
1670
1671
1672
1673
1674
1675
1676
1677
1678
1679
1680
1681
1682
1683
1684
1685
1686
1687
1688
16

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १७॥
 ॥ १८॥
 ॥ १९॥
 ॥ २०॥
 ॥ २१॥
 ॥ २२॥
 ॥ २३॥
 ॥ २४॥
 ॥ २५॥
 ॥ २६॥
 ॥ २७॥
 ॥ २८॥
 ॥ २९॥
 ॥ ३०॥
 ॥ ३१॥
 ॥ ३२॥
 ॥ ३३॥
 ॥ ३४॥
 ॥ ३५॥
 ॥ ३६॥
 ॥ ३७॥
 ॥ ३८॥
 ॥ ३९॥
 ॥ ४०॥
 ॥ ४१॥
 ॥ ४२॥
 ॥ ४३॥
 ॥ ४४॥
 ॥ ४५॥
 ॥ ४६॥
 ॥ ४७॥
 ॥ ४८॥
 ॥ ४९॥
 ॥ ५०॥
 ॥ ५१॥
 ॥ ५२॥
 ॥ ५३॥
 ॥ ५४॥
 ॥ ५५॥
 ॥ ५६॥
 ॥ ५७॥
 ॥ ५८॥
 ॥ ५९॥
 ॥ ६०॥
 ॥ ६१॥
 ॥ ६२॥
 ॥ ६३॥
 ॥ ६४॥
 ॥ ६५॥
 ॥ ६६॥
 ॥ ६७॥
 ॥ ६८॥
 ॥ ६९॥
 ॥ ७०॥
 ॥ ७१॥
 ॥ ७२॥
 ॥ ७३॥
 ॥ ७४॥
 ॥ ७५॥
 ॥ ७६॥
 ॥ ७७॥
 ॥ ७८॥
 ॥ ७९॥
 ॥ ८०॥
 ॥ ८१॥
 ॥ ८२॥
 ॥ ८३॥
 ॥ ८४॥
 ॥ ८५॥
 ॥ ८६॥
 ॥ ८७॥
 ॥ ८८॥
 ॥ ८९॥
 ॥ ९०॥
 ॥ ९१॥
 ॥ ९२॥
 ॥ ९३॥
 ॥ ९४॥
 ॥ ९५॥
 ॥ ९६॥
 ॥ ९७॥
 ॥ ९८॥
 ॥ ९९॥
 ॥ १००॥

འགྲོ་མ་རྒྱལ་པོ་ལྷ་མོ་

| | | |
|----------|----|-------|
| 07.08.16 | 17 | 20.52 |
| 07.08.16 | | 19.52 |

THESE BOOKS ARE
PROPERTY OF THE
LIBRARY OF THE
UNIVERSITY OF
MICHIGAN

[illegible]

201

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1200

विष्णुः प्रथमः विष्णुः प्रथमः विष्णुः प्रथमः

अथ हिन्दुधर्मस्य प्रारम्भः

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

श्री

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ २ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ ३ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ ४ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ ४ ॥
 अर्जुनं धनुर्धरं शूराणां महेष्वरिणम् ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ११ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ १२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १३ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १५ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ १६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १७ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ १८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ २० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २१ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ २२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २३ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ २४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २५ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ २६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २७ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ २८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २९ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३० ॥

Handwritten marginal notes in a vertical column on the left side of the manuscript.

Handwritten text in a historical script, likely Tibetan, arranged in horizontal lines across the main body of the manuscript. The text includes several lines of prose, some with red ink used for emphasis or headings.

LIBRARY OF TIBETAN WORKS
UNIVERSITY OF TORONTO LIBRARY
2005.10.20.5.5.5

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १२ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ २० ॥

विमलवर्णोऽत्रिभुवनप्रदं यथायथाप्यनुष्ठेयं विनाशकं मायायुः शुद्धं चैवं
चैवं यथायथायुः शुद्धं चैवं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

સાવત્રીયપાપુરુ પ્રવારિયાએનામોપાપુરુ માપુરુજીવિજાનદેવદામજાતુરુ રેવોજીવમજાતુરુ
ત્રાવુપુરુ રજોજીવોએજાવાપુરુજાતુરુ રેવોજીવોએજાવાપુરુ રેવોજીવોએજાવાપુરુ
પુરુ માવત્રીયપાપુરુ માવત્રીયપાપુરુ માવત્રીયપાપુરુ
ત્રાવુપુરુ માવત્રીયપાપુરુ માવત્રીયપાપુરુ માવત્રીયપાપુરુ
રેવોજીવોએજાવાપુરુ રેવોજીવોએજાવાપુરુ રેવોજીવોએજાવાપુરુ રેવોજીવોએજાવાપુરુ
રેવોજીવોએજાવાપુરુ રેવોજીવોએજાવાપુરુ રેવોજીવોએજાવાપુરુ રેવોજીવોએજાવાપુરુ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on a single line across the page. The script is highly stylized and difficult to decipher, but appears to be a form of early modern European cursive. The text is written in dark ink on a light-colored, aged paper.

[illegible]

[illegible]



ཨོཾ་ རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་ རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་
 རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་ རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་
 རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་ རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་
 རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་ རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་
 རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་

MS. NO. A
 ACC. NO. 20558
 LIBRARY OF TIBETAN WORKS & A
 D. RAMSALA.

རྒྱལ་པོ་འཕགས་པ་མཆོག་གི་ཕྱོད་ལོ་རྒྱུ་ལྟར་



七

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

Class No. 25

Acc. No 2.0.5.5.9

LIBRARY OF TIBETAN WORKS & A
DHARAMSALA.

དཀོན་པུ་པུ་པུ་

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः ।
 श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः ।
 श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः ।
 श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

॥ अथ शिवोक्तं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ शिवोक्तं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं ॥
 अथ शिवोक्तं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ शिवोक्तं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं ॥
 अथ शिवोक्तं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ शिवोक्तं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं ॥
 अथ शिवोक्तं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ शिवोक्तं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं शिवोऽयं ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

၆၂
 ၆၃
 ၆၄
 ၆၅
 ၆၆
 ၆၇
 ၆၈
 ၆၉
 ၇၀
 ၇၁
 ၇၂
 ၇၃
 ၇၄
 ၇၅
 ၇၆
 ၇၇
 ၇၈
 ၇၉
 ၈၀
 ၈၁
 ၈၂
 ၈၃
 ၈၄
 ၈၅
 ၈၆
 ၈၇
 ၈၈
 ၈၉
 ၉၀
 ၉၁
 ၉၂
 ၉၃
 ၉၄
 ၉၅
 ၉၆
 ၉၇
 ၉၈
 ၉၉
 ၁၀၀

١٢٣

विष्णुसहस्रनाम

[illegible]

Class No. 2A

Acc. No. 205.60

LIBRARY OF TIBETAN WORKS & C.

QHARMSALA.

དཀོན་རིགས་

ॐ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

72

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥

Handwritten text in red ink, possibly a title or initial, starting with a large 'A'.

Main body of handwritten text in black ink, consisting of several lines of script.

Handwritten text in red ink at the bottom of the page, possibly a signature or date.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ ३ ॥
 श्रीलक्ष्मणाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीसिते नमः ॥ ५ ॥
 श्रीहनुमते नमः ॥ ६ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १० ॥
 श्रीशंकराय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १२ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीमहाकालाय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहाशिवाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ २० ॥
 श्रीमहाकालाय नमः ॥ २१ ॥
 श्रीमहाशिवाय नमः ॥ २२ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ २३ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ २४ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ २५ ॥
 श्रीमहाकालाय नमः ॥ २६ ॥
 श्रीमहाशिवाय नमः ॥ २७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ २८ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ २९ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ ३० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ལྷ་མོ་རྒྱལ་པོ་ལྷ་མོ་

acc. no. 20562

LIBRARY OF THE
DHARMA PRAJNA SOCIETY

དགེ་ལུ་ལྷ་མོ་

20562

[illegible]

[illegible]

১১ প্রকৃতিবিশেষ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१३५७

[illegible]

පාඨමාලාවෙහි මාලා පාඨකොටස (විවිධවිධවෙන්) නිවැරදිව පවත්වා ගනු ලැබේ. පාඨකොටස (විවිධවිධවෙන්) නිවැරදිව පවත්වා ගනු ලැබේ. පාඨකොටස (විවිධවිධවෙන්) නිවැරදිව පවත්වා ගනු ලැබේ. පාඨකොටස (විවිධවිධවෙන්) නිවැරදිව පවත්වා ගනු ලැබේ.

122400

[illegible]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

291

321

2180258

1871

2025-01-15

723

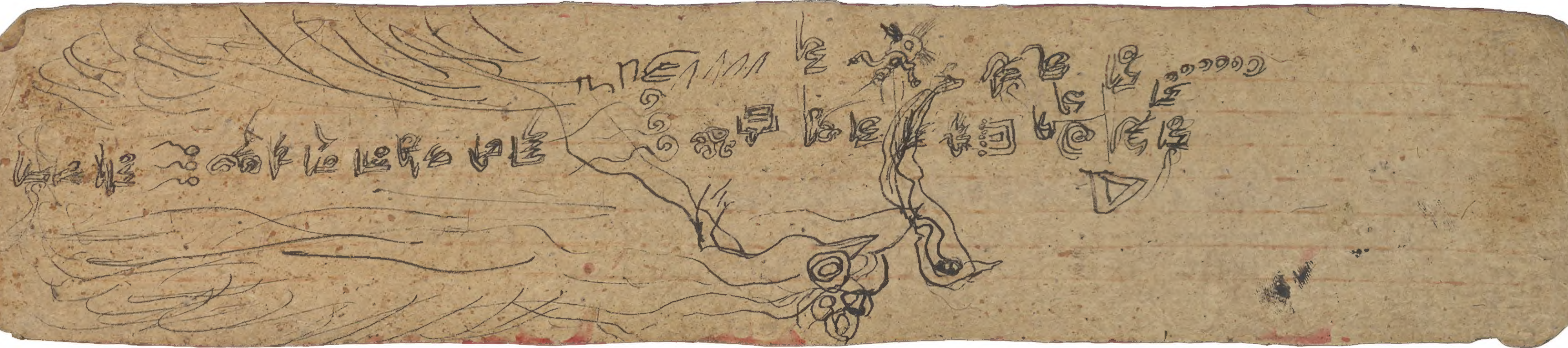
[Faint, mostly illegible handwritten text in Burmese script]

[illegible]

[illegible]

Class No. 5A
Acc. No. 20565
LIBRARY OF TIBETAN WORKS
DHARAMSALA

དཀོན་པལ་



Handwritten text in a stylized script, likely a form of Chinese or Japanese calligraphy, arranged in a horizontal line across the top of the page. The text is written in black ink and appears to be a title or a short inscription. The characters are highly stylized and difficult to decipher without a key.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥